M.A. IInd Year (Hindi) (CBCS Pattern) Semester - IV

MAHNCBCS403 - Paper-III : Vishesh Adhyayan (Munshi Premchand)

P. Pages : 3 **GUG/S/23/10521**

Time : Three Hours * 0 8 7 3 * Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित अवतरणों में से **किन्ही तीन** की संदर्भ सहित व्याख्या किजिए। **30**

क) लज्जा ने सदैव वीरों को परास्त किया है। जो काल से भी नहीं डरते, वे भी लज्जा के सामने खडे होने की हिम्मत नहीं करते। आग में झुँक जाना, तलवार के सामने खडे हो जाना, इसकी अपेक्षा कहीं सहज है। लाज की रक्षा ही के लिए बडे-बडे राज्य मिट गये है। रक्त की नदियॉ बह गयी है; प्राणों की होली खेल डाली गयी है।

ख) वसन्त के समीर और ग्रीष्म की लू में कितना अन्तर है। एक सुखद और प्राणपोषक, दूसरी अग्निमय और विनाशिनी। प्रेम वसन्त समीर है, द्वेष ग्रीष्म की लू। जिस पुष्प को वसन्त समीर महीनों में खिलाती है, उसे लू का एक झोंका जलाकर राख कर देता है।

ग) अहित कामना क्रोध की पराकाष्ठा है। इसका फल तुम ईश्वर से पाओगी - यह वाक्य कृपाण और भाले से ज्यादा घातक होता है। जब हम समझते है कि किसी दुष्कर्म का दण्ड देने के लिए भौतिक शक्ति काफी नहीं है। तब हम आध्यात्मिक दण्ड का विधान करते है। उससे न्यून कोई दण्ड हमारे सन्तोष के लिए काफी नहीं होता।

घ) मुआफ किजिएगा, आप मरदों की तरफदारी कर रहे है। हकीकत यह कि वहॉ आप लोग दिल बहलाव के लिए जाते है, महज गम गलत करने के लिए । महज आनन्द उठाने के लिए। जब आपको वफा की तलाश ही नहीं होती, तो वह मिले क्योंकर लेकिन इतना मैं जानती हुँ कि हमने जितनी बेचारियां मरदो की बेवफाई से निराश होकर अपना आराम-चैन खो बैठती है, उनका पता अगर दुनिया को चले तो आँखे खुल जाएँ। यह हमारी भूल है कि तमाशबीनों से वफा चाहते है, चील के घोंसले में माँस ढुँढने है, पर प्यासा आदमी अन्धे कुएँ की तरफ दौडे, तो मेरे ख्याल में उसका कोई कसूर नहीं।

ङ) सतयुग में मनुष्य की मुक्ति ज्ञान से होती थी, त्रेता में सत्य से, द्वापर में भक्ति से पर इस कलियुग में इसका केवल एक ही मार्ग है, और वह है सेवा। इसी मार्ग पर चलो तुम्हारा उध्दार होगा। जो लोग तुमसे भी दीन, दीन, दु:खी, दलित है, उनकी शरण में जाओ और उनका आशीर्वाद तुम्हारा उध्दार करेगा। कलियुग में परमात्मा इसी दु:खी सागर में वास करते है।

2. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** का उत्तर लिखिए। **10**

क) सेवासदन एक विशेष समस्या को लेकर लिखा गया है इस समस्या के साथ अन्य समस्याओं को स्पष्ट किजिए।

अथवा

ख) सुमन की व्यथा और कथा को अपने शब्दों में व्यक्त किजिए।

3. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** का उत्तर लिखिए। **10**

ग) सूरदास का चरित्र-चित्रण किजिए।

अथवा

घ) विनय सुकोमल भावों से भरा पात्र है। इस आधार पर विनय की चारित्रीक विशेषताओं को स्पष्ट किजिए।

4. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से **किसी एक** का उत्तर लिखिए। **10**

य) जालपा का चरित्र-चित्रण किजिए।

अथवा

र) 'गबन' आज की अवस्था को व्यक्त करता है- इस आधार पर गबन उपन्यास की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।

5. अ) निम्नलिखित अतिलघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर तीन से पाँच पंक्तियों में लिखिए। **10**

1) नागार्जुन का जीवन परिचय लिखिए।
2) वृन्दावनलाल वर्मा के साहित्य पर प्रकाश डालिए।
3) कमलेश्वर का जीवन परिचय दीजिए।
4) अलका सरावगी का जीवन परिचय लिखिए।
5) भीष्म सहानी की साहित्यिक यात्रा स्पष्ट किजिए।

ब) निम्निलिखित निर्देशों या विकल्पों के आधार पर सभी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **10**

1) सेवासदन उपन्यास की प्रमुख नायिका किसे कहा जा सकता है?
   क) सुमन को ख) शान्ता को
   ग) भोली को घ) सुभद्रा को

2) सूरदास का काम क्या था?
   क) व्यापारी ख) बेकार
   ग) भिखारी घ) नौकर

3) सदन सिंह पद्मसिंह के -------- है।

क) चाचा का बेटा ख) मामा का बेटा

ग) बुआ का बेटा घ) भाई का बेटा

4) 'गबन उपन्यास का प्रकाशन काल है।

क) सन् 1929 ख) सन् 1931

ग) सन् 1930 घ) सन् 1934

5) भीष्म सहानी ने ---------- विश्वविद्यालय से डॉक्टरेड की उपाधि प्राप्त की।

क) दिल्ली ख) अमृतसर

ग) पंजाब घ) चंदीगढ़

6) अलका सरावगी की प्रथम कहानी प्रकाशित हुई।

क) सन् 1984 ख) सन् 1987

ग) सन् 1993 घ) सन् 1991

7) कृष्णचन्द की पत्नी का नाम है।

क) गंगादासी ख) गंगारानी

ग) गंगादेवी घ) गंगाजली

8) जालपा का प्रेम --------- के प्रति अधिक था।

क) रूपये-पैसे ख) वस्त्रों से

ग) आभूषणों से घ) अपने सौंदर्य से

9) देविदिन किस उपन्यास का पात्र है?

क) सेवासदन ख) गबन

ग) रंगभूमि घ) गोदान

10) प्रेमचंद के किस उपन्यास में महात्मा गांधी के विचारों की प्रति-मूर्ती लक्षीत होती है?

क) गोदान ख) कर्मभूमि

ग) रंगभूमि घ) गबन

****